एयर इंडिया इन्टरनेशनल के विमानों से रेडियो अधिकारियों का अपाकर्षण

*५८. **श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की सूचना है कि "पायलेट्स गिल्ड आव इंडिया" ने एयर इंडिया इन्टरनेशनल के विमान-चालकों की ओर से, सिविल एविएशन के डायरेक्टरों और डाइरेक्टर जनरल को विमानों पर से, जब कि वे निर्धारित उड़ानों पर चलते हैं, रेडियो अफसरों के हटा देने के विरुद्ध विरोधपत्र भेजा है;

(ख) यदि हां, तो सरकार उस पर क्या कार्यवाही कर रही है; और

(ग) कितने विमान रेडियो अफसर के बिना चलाए जा रहे हैं?

†[WITHDRAWAL OF RADIO OFFICERS FROM THE AIRCRAFT OF THE AIR INDIA INTERNATIONAL

•58. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister for COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the pilots Guild of India have, on behalf of the pilots of the Air India International, sent a letter of protest to the Director General and the Director of Civil Aviation against the? withdrawal of radio officers from aircraft on their scheduled nights;

(b) if so, what action Government are taking thereon; and

(c) the number of aircraft that are being flown without radio officers?]

संचार उपमंत्री (श्री राज बहादुर): (क), (ख) और (ग). मैं राज्य सभा के पटल पर एक विवरण प्रस्तुत करता हूं जिसमें अपेक्षित सूचना दी गई है।

†English translation.

विवरण

(क) और (ख). सरकार को भारत के चालक संघ से एक विरोध-पत्र मिला था। विषय की जांच पड़ताल की गई। यह मालूम हुआ कि असैनिक उड्डयन विभाग के महानिदेशक ने व्यवहारिक अनुभव द्वारा इस बात का संतोष प्राप्त कर लेने पर कि सम्बन्धित मार्गों पर विमान-चालकों द्वारा चालित रेडियो टेलिफोन ही भूमिस्थित केन्द्रों से संचार के लिए पर्याप्त हैं और इन मार्गों पर चलने वाले वायुयानों पर से रेडियो अधिकारियों के हटा लेने पर निगम की चालन सुरक्षा को कोई क्षति नहीं पहुंचेगी एयर इंडिया इन्टरनेशनल को मार्गों से रेडियो अधिकारियों को हटाने की अनुमति दे दी थी। वस्तुतः असैनिक उड्डयन विभाग के महानिदेशक ने २६-४-५४ को भारत के चालक संघ के प्रतिनिधियों को इस विषय पर खुल कर बातचीत करने का अवसर भी दिया था और काफी लम्बी बहस के बाद ही उन्होंने एयर इंडिया इन्टरनेशनल को कुछ खंडों से रेडियो अधिकारियों के हटाने की अनुमति दी थी। बाद में, एयर इंडिया इंटरनेशनल ने बम्बई-काहिरा मार्ग से भी रेडियो अधिकारियों के हटाने की अनुमति मांगी थी। एयर इंडिया इंटरनेशनल से भारतीय चालक संघ और रेडियो अधिकारी परिषद से परामर्श करने के लिए कहा गया। एयर इंडिया इन्टरनेशनल को एक पत्र में निगम के ६ रेडियो अधिकारियों ने यह दृष्टिकोण व्यक्त किया कि उन्हें विश्वास है कि रेडियो टेलीफोन का संचार पूर्णरूप से चालकों पर छोड़ा जा सकता है। बाद की एक सभा में निगम के ११ उच्च चालकों ने एक मत से यह स्वीकृत किया कि निगम द्वारा वायु पथ पर रेडियो अधिकारियों का ले जाया जाना बन्द किया जा सकता है।

सरकार को संतोष है कि असैनिक उड्डयन विभाग के महानिदेशक द्वारा प्रदान की गई अनुमति से एयर इंडिया इन्टरनेशनल की चालन सुरक्षा में कोई क्षति नहीं पहुंचेगी।

(ग) आठ।

t[THE DEPUTY MINISTER FOR COMMUNICATIONS (SHRI RAJ BAHADUR): (a), (b) and (c). I lay a statement on the Table of the Rajya Sabha giving the requisite information.

STATEMENT

(a) and (b). Government received a letter of protest from the Pilots Guild of India. The matter was examined. It was found that the Director General of Civil Aviation had granted permission to Air India International to withdraw Radio Officers from certain routes after satisfying himself by practical experience that Radio telephony operated by the pilots on the routes concerned was adequate for communication with the ground stations and that the withdrawal of Radio Officers from aircraft operating on such routes would not jeopardize the safety of operations of the Corporation. In fact the Director General of Civil Aviation also gave an opportunity to the representatives of the Indian Pilot? Guild for a frank discussion in the matter on the 26th April 1954 and it was after prolonged discussions that he permitted Air India International to withdraw Radio Officers from certain sectors. Later, Air India International applied for permission to withdraw Radio Officers from the Bombay-Cairo route also. Air India International was asked to consult the Indian Pilots Guild and the Radio Officers Association. In a letter to Air India International 9 Radio Officers of the Corporation expressed the view that they felt confident that communication on Radio telephony could be left entirely to the pilots. Subsequently at a meeting, 11 Sr. Pilots of the Corporation unanimously agreed that the Corporation could discontinue carriage of Radio Officers on the route.

Government are satisfied that the permission granted by the Director General of Civil Aviation does not jeopardize the safety of operations of Air India International.

(c) Eight 1

-----^----------. ----------

» fEnglish translation.

श्री नवाब सिंह चौहान : इस विवरण में कहा गया है कि पहले पायलेट्स गिल्ड के साथ में बहस कर ली गई थी तब यह निर्णय किया गया था। तो क्या उनकी तरफ से फिर बाद में इसके लिए कोई प्रोटेस्ट आया है ?

श्री राज बहादुर : पायलेट्स गिल्ड की तरफ से आवेदन पत्र आने से पहले ही इस पर पूर्णतया विचार कर लिया गया था और सब पहलुओं से देख लिया गया था। जो रेडियो आफिसर्स हैं उनसे भी मशविरा कर लिया गया था । कुछ रेडियो आफिसर्स के द्वारा ७ फरवरी को यह विचार प्रकट किया जा चुका था कि यदि विमान में रेडियो टेलिफोनिक इम्प्लीमेंट्स उपलब्ध हैं तो बिना रेडियो आफिसर्स के काम किया जा सकता है और रेडियो आफिसर्स को हटाया जा सकता है। इसके अनुसार भिन्न भिन्न तारीखों से भिन्न भिन्न मार्गों पर से रेडियो आफिसर्स हटाए गए।

*59. *[For answer* vide *col.* 32finfiT.]

SOUTH EASTERN RAILWAY ZONE

*60. SHRI S. MAHANTY: Will the Minister for RAILWAYS be pleased to state:

(a) the reasons for which the South Eastern Zone is being created and the additional cost it will involve;

(b) the extent of mileage of the proposed South Eastern Railway in West Bengal, Orissa and Madhya Pradesh: and

(c) the name of the place where the headquarters of that Railway will be located?

THE DEPUTY MINISTER FOR RAILWAYS AND TRANSPORT (SHRI O. V. AIAGESAN): (a) The reasons are